100 Years 1920-2020
University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 15 January 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : छात्रावासों में सख्ती, बाहर नहीं निकलेंगे संक्रमित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 60 से अधिक छात्रों के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद विवि प्रशासन ने अब छात्रावासों में सख्ती शुरू की है। शुक्रवार को इसके लिए दिशा निर्देश जारी कर कहा कि संक्रमित छात्र अपने कमरे से बाहर नहीं निकलेंगे। उन्हें दवा और पैकेट बंद भोजन कमरे में पहुंचाया जाएगा। वहीं, दूसरी तरफ सामान्य छात्रों से 31 जनवरी तक परीक्षाएं टलने के बाद अपने घर जाने की अपील की गई है।

शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्रावासों में पहुंचकर संक्रमितों को दवाएं दी और उनके तापमान व आक्सीजन लेवल आदि की जांच की। संक्रमित छात्रों को अलग कमरे में आइसोलेट किया गया है। गर्ल्स छात्रावासों में काफी छात्राएं अभी रुकी हुई हैं। इसे देखते हुए उनसे कहा गया है कि वे किसी काम से भी बाहर नहीं निकलेंगी। उन्हें बाहर से कोई सामान मंगवाना, फोटो कॉपी आदि करवाना हो तो कर्मचारियों के माध्यम से करवा सकेंगी।

कर्मचारियों को भी यहां-वहां न घूमने की सलाह दी गई है। जरूरत पड़ने पर कॉमन रूम को आइसोलेशन सेंटर के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। वहीं, निवेदिता गर्ल्स छात्रावास में 10 बेड अतिरिक्त लगवाकर असिस्टेंट प्रोवोस्ट के आवास को आइसोलेशन सेंटर बनाया गया है। किसी छात्रा को जुकाम, बुखार होता है तो उसे यहां आइसोलेट किया जाएगा।

महमूदाबाद हॉस्टल में दवाएं पहुंचाती स्वास्थ्य विभाग की टीम। -संवाद

संक्रमित खेल रहे थे क्रिकेट

लविवि प्रशासन ने संक्रमित विद्यार्थियों को लेकर यूं ही नहीं सख्ती की है। दरअसल, महमूदाबाद छात्रावास के संक्रमित विद्यार्थी छात्रावास ग्राउंड में दोपहर में क्रिकेट खेल रहे थे। जब प्रोवोस्ट डॉ. ओपी शुक्ला वहां पहुंचे तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए इन्हें कमरे में जाने को कहा। इसके बाद छात्रावास पहुंचे विवि अधिकारियों ने इस पर सख्ती की।

60 से ज्यादा कोरोना के केस मिलने के बाद लविवि ने दी हिदायत

अब किसी भी काम से बाहर नहीं जा सकेंगी छात्राएं

विदेशी छात्रों के लिए बनाई कमेटी

आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में 48 विदेशी छात्र रहते हैं। विवि प्रशासन इनके स्वास्थ्य को लेकर भी सतर्क है। विवि ने छात्रावास में तीन छात्रों की हेल्थ कमेटी बनाई है जो दिन में दो बार सभी छात्रों के ऑक्सीजन लेवल, पल्स व तापमान की जांच कर रही है। किसी भी छात्र में कोविड के लक्षण दिखने पर कमेटी विवि को सूचित करेगी।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि आइसोलेट छात्रों को दवाएं व फूड पैकेट में मिलेगा। यदि कोई विद्यार्थी दूर का है और नहीं जाना चाहता तो उसे सतर्कता से रहना होगा। जहां विद्यार्थी संक्रमित निकले हैं वहां उनकी विंग व टॉयलेट आदि अलग किए गए हैं। साथ ही सभी जगह सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय की डिस्पेंसरी में भी सुबह आठ बजे से चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध रहेगी।

HINDUSTAN PAGE 4

सतर्कता : एलयू छात्रावासों में बनाए क्वारंटाइन सेंटर

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

व्यवस्था

- संक्रमितों के कमरे में दवाइयां-खाना मुहैया कराने की व्यवस्था
- निवेदिता में असिस्टेंट प्रोवोस्ट का घर बना क्वारंटाइन सेंटर

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के कोरोना पॉजिटिव निकलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपने स्तर पर छात्रावासों में रह रहे छात्र-छात्राओं के लिए सारी व्यवस्थाएं कर रहा है। हालांकि आधे से ज्यादा छात्रावास खाली हो चुके हैं लेकिन जो छात्र यहा बचे हैं उनके लिए दवाइयां, जांच व अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि छात्रावास में रहने वाले छात्रों-छात्राओं को सभी सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है और उनकी सेहत का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। पिछले दो दिनों में मुख्य परिसर के सभी छात्रावासों में जिला प्रशासन से अनुरोध करके छात्र-छात्राओं की कोविड जांच कराई गई है। सभी संक्रमित छात्र-छात्राओं को दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। डिस्पेन्सरी में भी सुबह 8 बजे से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। संक्रमित छात्रों को अन्य स्वस्थ छात्रों से अलग रखा जा रहा है और संक्रमित छात्रों के लिए उनके कमरे में ही भोजन पहुंचाने की व्यवस्था भी की गई है।

हॉस्टलों में बने क्वारंटाइन सेंटरः डॉ. दुर्गेश ने बताया कि निवेदिता छात्रावास में असिस्टेंट प्रोवोस्ट के घर में ही संक्रमित छात्राओं के रहने की व्यवस्था की गई है। वहीं जो छात्रावास खाली हो गए हैं, उनके कॉमन रूम को क्वारंटीन सेंटर बनाया गया है। इसके अलावा आचार्य नरेंद्रदेव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास, जहां 48 विदेशी छात्र रहते हैं वहां पर छात्रों की हेल्थ कमेटी भी बनाई गई है जो दिन में दो बार सभी छात्रों के ऑक्सीजन लेवल, पल्स तथा तापमान की जांच कर रही है।

i-NEXT PAGE 2

लखनऊ यूनिवर्सिटी में संक्रमित छात्रों को कमरे में मिलेगी दवा और खाना

हॉस्टल्स में ही क्वारेंटाइन सेंटर

30 संक्रमित स्टूडेंट्स को हॉस्टल में क्वारेंटाइन होने की मिली मंजूरी

निवेदिता हॉस्टल में असिस्टेंट प्रोवोस्ट का घर बना क्वारेंटाइन सेंटर

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (14 Jan): बड़ी संख्या में छात्रों के संक्रमित होने के बाद लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन हॉस्टलों में रह रहे छात्रों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं कर रहा है. हालांकि आधे से ज्यादा हॉस्टल खाली हो चुके हैं, लेकिन जो छात्र हॉस्टल में हैं, उनके लिए दवा, जांच आदि की व्यवस्था की जा रही है. आरटीपीसीआर टेस्ट कराया जा रहा है और संक्रमितों को बाकी छात्रों से अलग रखा जा रहा है. छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन और कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि हॉस्टल मे रहने वाले छात्रों की सेहत का पूरा ख्याल रखा जा रहा है. संक्रमितों के कमरे में दवा और भोजन की व्यवस्था की गई है.

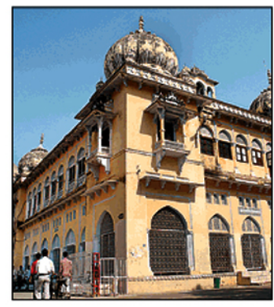

30 को हॉस्टलों में रहने ... » PG II

16 हॉस्टल हैं एलयू के दोनों कैंपस में

21 सौ स्टूडेंट्स रहते हैं इन हॉस्टलों में

विदेशी छात्रों के लिए बनी समिति

आचार्य नरेंद देव अंतराष्ट्रीय हॉस्टल में 48 विदेशी छात्र रहते हैं. वहां पर एलयू ने स्वास्थ समिति का गठन किया है. समिति के सदस्य हॉस्टल के सभी छात्रों का दिन में दो बार ऑक्सीजन लेवल, पल्स और तापमान चेक कर रहे हैं.

हॉस्टल से बाहर निकलने पर रोक

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि छात्रों के हॉस्टल से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गयी है. हॉस्टलों में सेनेटाइजेशन कराया जा रहा है. छात्रों से अपील की गई है कि ऑनलाइन क्लास चलाई जा रही हैं, ऐसे में वे अपने घर चले जाएं. गुरुवार को जिन छात्रों की कोरोना जांच की गई थी, उनकी रिपोर्ट अभी आना बाकी है. छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने बताया कि यूनिवर्सिटी की डिस्पेंसरी में सुबह आठ बजे से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा दी गई है.

i-NEXT PAGE 2

चुनाव बाद होगी एलयू में समूह ग की भर्ती प्रक्रिया

इंजीनियरिंग और फॉर्मास्यूटिकल डिपार्टमेंट में होनी है भर्ती

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (14 Jan): लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेल्फ फाइनेंस कोर्सेज में होने वाली समूह ग की भर्ती विधानसभा चुनाव के बाद होगी. आचार संहिता की वजह से प्रक्रिया रोक दी गई है. चुनाव बाद लिखित परीक्षा से भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी. एलयू के न्यू कैंपस में इंजीनियरिंग और इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में संचालित सेल्फ फाइनेंस कोर्सेज में समूह ग के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन लिए गए हैं.

इन पदों के लिए आवेदन

लैब अनुदेशक, कार्यालय अधीक्षक, सहायक कार्यशाला अधीक्षक, फोरमैन, कार्यालय सहायक, लेखा लिपिक, स्टोर कीपर सहित 36 पदों पर 1 अक्टूबर से 1 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन मांगे थे. यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक इनके लिए 400 लोगों ने आवेदन किया है. भर्ती प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने दिसंबर में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी. योजना थी कि कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाए. अब आचार संहिता की वजह से प्रक्रिया रोक दी गई है.

लिखित परीक्षा से बनेगी मेरिट

प्रो. मनुका खन्ना, एमबीए विभाग के हेड संजय मेधावी व डिप्टी रजिस्ट्रार की कमेटी ने कुलसचिव को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है. जिसमें कहा गया है कि भर्ती लिखित परीक्षा से की जाए. लिखित परीक्षा की मेरिट के आधार पर मेरिट बनाई जाएगी. गौरतलब है कि राज्य सरकार की ओर से 31 जुलाई 2017 को जारी शासनादेश में स्पष्ट लिखा है कि साक्षात्कार की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है, लिखित परीक्षा से ही भर्ती होगी.

"यूनिवर्सिटी में समूह ग के पदों पर संविदा के आधार पर कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया आचार संहिता के बाद शुरू होगी.
डॉ. विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव

JAGRAN CITY PAGE III

आचार संहिता के बाद समूह ग की भर्ती

लखनऊ विश्वविद्यालय

- कमेटी ने सौंप दी कुलसचिव को अपनी रिपोर्ट
- 36 पदों के सापेक्ष 400 लोगों ने किया है आवेदन

"विश्वविद्यालय में समूह ग के पदों पर संविदा के आधार पर कर्मचारियों की भर्ती प्रकिया आचार संहिता के बाद शुरू होगी।
डा. विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में होने वाली समूह ग की भर्ती विधान सभा चुनाव के बाद होगी। आचार संहिता की वजह से प्रक्रिया रोक दी गई है। अब इसकी समाप्ति के बाद लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस संबंध में कमेटी ने अपनी रिपोर्ट कुलसचिव को सौंप दी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने नवीन परिसर के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय और इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में समूह ग के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन लिए हैं। इसमें प्रयोगशाला अनुदेशक, कार्यालय अधीक्षक, सहायक कार्यशाला अधीक्षक, फोरमैन, कार्यालय सहायक, लेखा लिपिक, स्टोर कीपर सहित 36 पदों पर आनलाइन आवेदन मांगे थे। 36 पदों के सापेक्ष 400 लोगों ने आवेदन किया है। भर्ती प्रक्रिया के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीते दिसंबर में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। प्रो. मनुका खन्ना, एमबीए विभाग के हेड संजय मेधावी व डिप्टी रजिस्ट्रार की कमेटी ने कुलसचिव को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि भर्ती लिखित परीक्षा के माध्यम से की जाए।

उच्च पदों पर तैनात होंगे 103 गैर कमीशन सैन्य अधिकारी

छावनी स्थित आफिसर्स ट्रेनिंग कालेज में सीनियर कैडर कोर्स के पूरा होने पर एक सेरेमोनियल परेड आयोजित की गई। इसमें 103 गैर-कमीशन अधिकारियों ने भाग लिया जो आने वाले समय में उच्च पद ग्रहण करेंगे। इन सभी गैर-कमीशन अधिकारियों को आफिसर्स ट्रेनिंग कालेज में प्रशिक्षण दिया गया है। परेड की समीक्षा एएमसी सेंटर एवं कालेज के आफिसर्स ट्रेनिंग कालेज के कमांडेंट और मुख्य प्रशिक्षक मेजर जनरल जेपी प्रसाद ने की।

PIONEER PAGE 3

अंतः वासी छात्रों के बाहर निकलने पर एलयू ने लगाई रोक

● **छात्रावासों में बनाये गए क्वारन्टीन सेंटर**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रहने वाले अंतः वासी छात्रों के कोरोना पॉजिटिव निकलने के बाद संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए विवि प्रशासन के उनके बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। वहीं छात्रावासों में रहने वाले स्टूडेंट्स की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। संक्रमित स्टूडेंट्स को लेकर हॉस्टल में ही क्वारन्टीन सेंटर बनाया गया है। वहीं पर उनके खाने.पीने और दवा इत्यादि की व्यवस्था की गई है। साथ ही अन्य छात्रों की आरटीपीसीआर टेस्ट कराया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में बुधवार से ही छात्रावासों में कोरोना संक्रमित छात्र मिलने शुरू हो गए थे। फिर गुरुवार को आई जांच रिपोर्ट में इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। अभी तक छात्रावासों में छात्रों की कोरोना जांच कराई जा रही है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो पूनम टंडन और कुल सचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर छात्रावास मे रहने वाले छात्रों.छात्राओं को सभी सुविधाएं देने का प्रयास कर रहा है और उनकी सेहत का भी पूरा खयाल रखा जा रहा है। लगातार कोरोना संक्रमित छात्रों की पूरी देखभाल की जा रही है। उन्हें स्वस्थ छात्रों से अलग रखा जा रहा है। कोरोना संक्रमित छात्रों को उन्हीं के कमरे में दवा और भोजन की व्यवस्था की गई है।

विदेशी छात्रों के लिए बनाई गई समितिः आचार्य नरेंद देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास जहां 48 विदेशी छात्र रहते हैंए वहां पर विवि प्रशासन ने छात्रों की स्वास्थ समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य छात्रावास के सभी छात्रों का दिन में दो बार ऑक्सिजन लेवलए पल्स और तापमान की जांच कर रहे हैं।

छात्रों के छात्रावास से बाहर निकलने पर रोकः प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि संक्रमण के रोकथाम के लिए छात्रों को से छात्रावास से बाहर निकलने पर रोक लगा दी गयी है। छात्रावासों में नियमित रूप से सेनेटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि छात्र.छात्राओं से अपील की गई है अब इधर परीक्षाएं नही होनी हैं। और कक्षाएं भी ऑनलाइन चल रही हैए तो ऐसी स्थिति में छात्र.छात्राएं अपने हित में अपने.अपने घर चले जाएं। कल जिन छात्र.छात्राओं की जांच की गई थी, उनकी रिपोर्ट आनी अभी बाक़ी है।

सुबह आठ बजे से डिस्पेंसरी में चिकित्सा सुविधा उपलब्धः विवि की छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के डिस्पेन्सरी में भी सुबह आठ बजे से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। वहां पर कोरोना संक्रमण सहित अन्य सभी बीमारियों का इलाज की सुविधा मौजूद है।

सभी छात्रावासों के कॉमन रूम को क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। इसके अलावा निवेदिता छात्रावास में असिस्टेंट प्रोवोस्ट के घर में ही क्वारंटाइन सेंटर बनाया गया है। वहां पर करीब आधा दर्जन छात्राओं की रहने की व्यवस्था की गई है।

कैलाश छात्रावास होने लगा खालीः कोरोना संक्रमण कैलाश छात्रावास में भी फैल गया है। बताया जा रहा है कि काफी छात्राओं में कोरोना के लक्षण पाए गए हैं। उनकी आरटीपीसीआर जांच कराई जा रही है। संक्रमण के बार छात्राओं ने छात्रावास छोड़ना शुरू कर दिया है। काफी छात्राएं अपने घर जा चुकी हैं।